श्रीः

लखनऊकीक़ब्र

या

शाही महलसरा.

उपन्यास.

सातवां हिस्सा.

श्रीकिशोरीलालगोस्वामि-लिखित

श्रीछबीलेलालगोस्वामि-द्वारा

श्रीसुदर्शनप्रेस, वृन्दावन से छापकर प्रकाशित ।

पहिलीबार १०००] सन् १९१७ ई०. [मूल्य दश आने ।